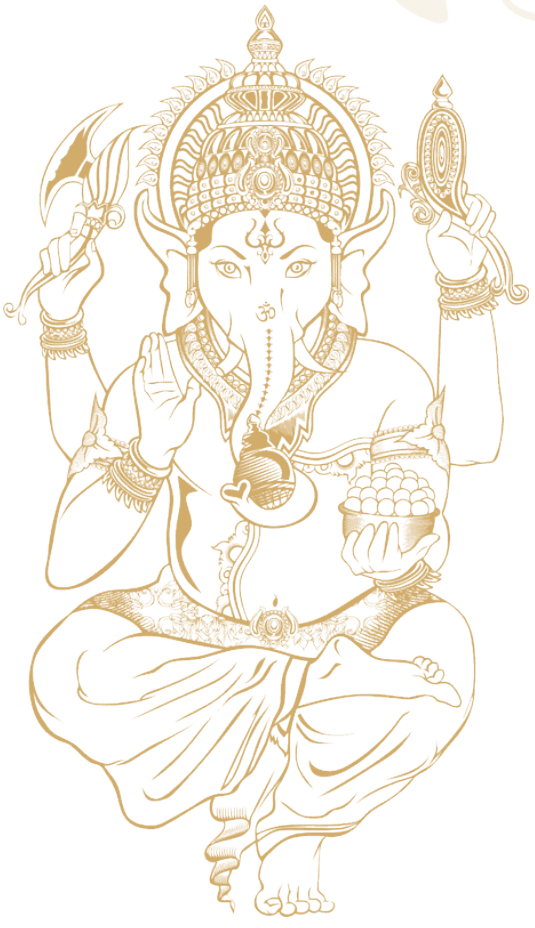

Vraj Mehta

Padmini

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121826706

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/06/2000	जन्म तिथि	4-05/05/2001
गुरुवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 19:40:00	जन्म समय	00:04:00 घंटे
घटी 35:40:38	जन्म समय(घटी)	46:04:20 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Bhavnagar
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	21:46:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	72:14:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:41:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:23:44	सूर्योदय	06:08:10
19:13:57	सूर्यास्त	19:07:54
23:51:30	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:15

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 2वर्ष 4मा 26दि	23:57:06	वृश्चि	लग्न	धनु	28:41:44	चन्द्र 6वर्ष 9मा 23दि
राहु	17:31:00	वृष	सूर्य	मेष	20:28:35	राहु
29/10/2019	04:39:06	वृष	चंद्र	कन्या	14:14:47	26/02/2015
28/10/2037	26:02:43	वृष	मंगल	धनु	04:53:34	26/02/2033
राहु 11/07/2022	09:40:26	मिथु	बुध	वृष	03:20:43	राहु 09/11/2017
गुरु 03/12/2024	29:46:29	मेष	गुरु	वृष	20:25:45	गुरु 03/04/2020
शनि 10/10/2027	14:50:32	वृष	शुक्र	मीन	11:19:02	शनि 08/02/2023
बुध 29/04/2030	29:21:17	मेष	शनि	वृष	07:49:41	बुध 28/08/2025
केतु 17/05/2031	01:32:09	कर्क व	राहु व	मिथु	13:55:07	केतु 15/09/2026
शुक्र 17/05/2034	01:32:09	मक व	केतु व	धनु	13:55:07	शुक्र 15/09/2029
सूर्य 11/04/2035	26:56:41	मक व	हर्ष	कुंभ	00:42:52	सूर्य 10/08/2030
चन्द्र 10/10/2036	12:33:41	मक व	नेप	मक	14:53:45	चन्द्र 08/02/2032
मंगल 28/10/2037	17:41:12	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	20:49:47	मंगल 26/02/2033

लग्न-चलित

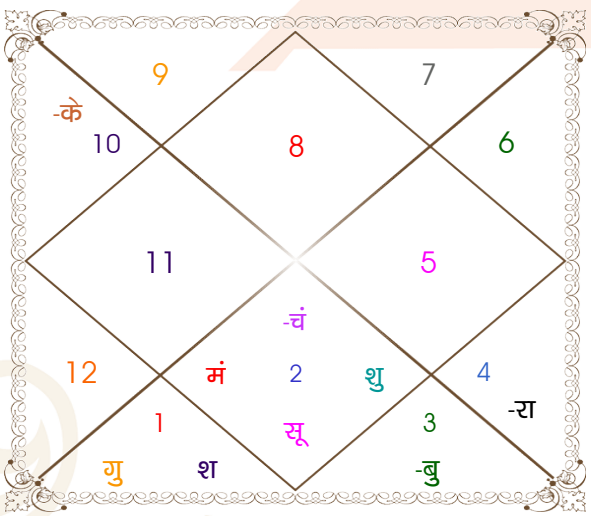

लग्न-चलित

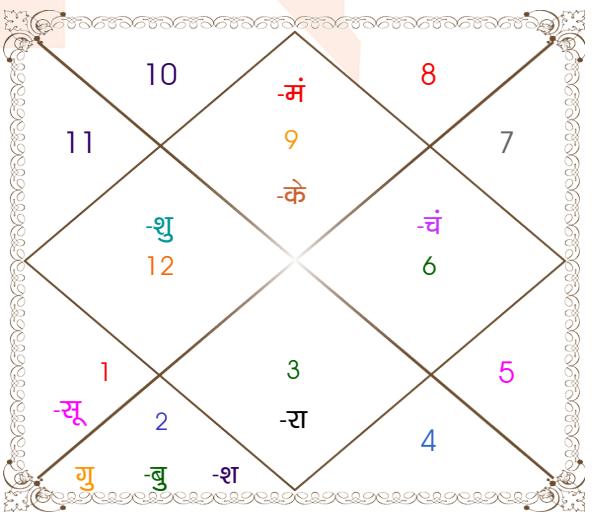

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	महिष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Vraj Mehta का वर्ग गरूड़ है तथा Padmini का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Vraj Mehta और Padmini का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Vraj Mehta मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Vraj Mehta कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Vraj Mehta कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Padmini मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Padmini कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Padmini कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Vraj Mehta कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Vraj Mehta तथा Padmini में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।